



राजस्ट्री सं. झो. एस. -33004/93

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

मं. 24]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 19, 1994/पौष 29, 1915

No. 24] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 19, 1994/PAUSA 29, 1915

विधि, न्याय और कंपनी कायं मंत्रालय

(कंपनी कायं विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19-जनवरी, 1994

मा०का०नि० 29(प्र) —केन्द्रीय मरकार, कार्या अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के अंडे (ब) के माथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, लागत लेखा अभिनव (सूती वस्त्र) नियम, 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्ननिर्दित नियम बनाना है, प्रथम—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिनव (वस्त्र) संशोधन नियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवर्त्त होगी।

2. लागत लेखा अभिनव (सूती वस्त्र) नियम, 1977 (जिसे इसके पश्चात् उन नियम कहा गया है) में—

(i) नियम 1 और नियम 4 में, "सूती वस्त्र" शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आए हैं "वस्त्र" शब्द रखा जाएगा।

(ii) नियम 2 के स्थान पर निम्ननिर्दित नियम लगा जाएगा, अर्थात्—

"2. लागू होता है—गे नियम ऐसी प्रत्येक कंपनी को लागू होगे जो किसी कृत्रिम रेशमी कपड़े, कपास का सूत या सूती कपड़े, प्रभंस्कृत धारों और प्रसंस्कृत कपड़े, कृत्रिम रेशा सूत या कृत्रिम रेशा कपड़े, रेशम सूत या रेशम कपड़े, उन, उनी धारों या उनी कपड़े, धारों या अन्य वस्त्र उत्पाद के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण में लगा हुआ है।

परन्तु ये नियम उपरोक्त ऐसी कंपनियों को लागू नहीं होंगे जो लव् औद्योगिक उपकरणों के प्रबंधन में प्रार्द्ध हैं।

स्पष्टीकरण:—इस नियम के प्रयोजन के लिए, “लवू औंडांगिक उपक्रम” पद से ऐसी कंपनी अभिप्रेत है:—

(i) जिसमें प्रतिष्ठापित मशीनरी और संयंत्र का संकलित मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के अन्तिम दिन को साठ लाख रुपए से अधिक नहीं है, और; इस प्रयोजन के लिए किसी मशीनरी या संयंत्र का मूल्य निम्नलिखित रूप में होगा,—

(i) कंपनी के स्वामित्वाधीन किसी मशीनरी या संयंत्र को दशा में, कंपनी की उसकी लागत; और

(ii) किसी ऐसी मशीनरी या संयंत्र की दशा में जो कंपनी द्वारा पट्टे पर या भाषा अथ पर जारी है, ऐसी मशीनरी या संयंत्र के स्वामी की दशा में उसकी लागत; और

(ख) पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी के सभी उत्पादों के विक्रय या प्रदाय में कंपनी द्वारा वसूल किया गया संकलित मूल्य दस करोड़ रुपए से अधिक नहीं है।

(iii) नियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“3. परिभाषाएँ:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) “कृतिम रेशमी कपड़ा” से ऐसा कोई फैक्ट्रिक अभिप्रेत है जो पूर्णतया कृतिम रेशमी सूत से बना हो या अंशतः कृतिम रेशमी सूत से और अंशतः किसी और सूत से बना हो, परन्तु यह तब जब ऐसे फैक्ट्रिक में 60 प्रतिशत से कम कृतिम रेशमी सूत न हो;

(ख) “कपड़ा” के वही अर्थ होंगे जो वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1993 के खंड 3 के उपखंड (4) में हैं;

(ग) “कापाम का सूत या सूती कपड़ा” के वही अर्थ होंगे जो वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1993 के खंड 3 के उपखंड (6) में हैं;

(घ) “कृतिम रेशा नूत” और “कृतिम रेशा कपड़ा” के वही अर्थ होंगे जो वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1993 के खंड 3 के उपखंड (10) में हैं;

(ङ) “अन्य वस्त्र उत्पाद” के वही अर्थ होंगे जो वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1993 के खंड 3 के उपखंड (14) में हैं;

(च) “प्रसंस्कृत धागा और प्रसंस्कृत कपड़ा” से इस नियम के उपखंड (ख) और उपखंड (न) में यथा परिभाषित कोई ऐसा धागा और/या कपड़ा अभिप्रेत है जो विरंजन, रंगाई, छपाई, मरमरीकरण, परिशोधन तथा गमला एक या अधिक प्रक्रियाओं में ने गुजर गया हो। इसके अन्तर्गत वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1993 के खंड 3 के उपखंड (19) में यथाविभागित “प्रसंस्करणकर्ता” द्वारा प्रसंस्कृत कपड़ा भी है;

(छ) “रेशम सूत या रेशम कपड़ा” का वही अर्थ है जो वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1993 के खंड 3 के उपखंड (21) में है;

(ज) “ऊन” का वही अर्थ है जो वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1993 के खंड 3 के उपखंड (24) में है;

(झ) “ऊनी सूत या ऊनी कपड़ा” का वही अर्थ है जो वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1993 के खंड 3 के उपखंड (26) में है;

(झा) “सूत” का वही अर्थ है जो वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1993 के खंड 3 के उपखंड (27) में है।”

3. उक्त नियमों से उपावद्ध अनुसूची 1 में:—

(क) “(नियम 3 देखिए)” शीर्षक के स्थान पर “(नियम 4 देखिए)” शीर्षक रखा जाएगा;

(ख) “सूती वस्त्र” शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आए हैं, “वस्त्र” शब्द रखा जाएगा।

4. उक्त नियमों में उपावद्ध अनुसूची 2 में “(नियम 3 देखिए)” शीर्षक के स्थान पर “(नियम 4 देखिए)” शीर्षक रखा जाएगा।

[फा० सं० 52/36/सी ए बी-४२]
आर०डी० जोशी, संयुक्त सचिव

टिप्पणी :

सूत नियम सा.का.नि. 417(इ.) दिनांक 28 जून, 1977 को प्रकाशित किए गए थे।

(2) इनमें निम्नलिखित दिनांकों को संशोधन किया गया :

(क) सा.का.नि. 1277 दिनांक 10-10-1979

(ख) सा.का.नि. 40 दिनांक 8-1-1983

(ग) सा.का.नि. 1206 दिनांक 22-11-1984

(घ) सा.का.नि. 562 दिनांक 22-7-1989

(ङ) सा.का.नि. 322 (इ.) दिनांक 24-3-1993

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th January, 1994

G.S.R. 29(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of

1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Cotton Textiles) Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Textiles) Amendment Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Cotton Textiles) Rules, 1977 (hereinafter referred to as the said rules),—

(i) in rules 1 and 4, for the words "Cotton Textiles", wherever they occur, the word "Textiles" shall be substituted;

(ii) for rule 2, the following rule shall be substituted, namely:—

2. Application.—These rules shall apply to every company engaged in the production, processing or manufacturing of any art silk cloth, cloth, cotton yarn or cotton cloth, processed yarn and processed cloth, man-made fibre yarn or man-made fibre cloth, silk yarn or silk cloth, wool, woollen yarn or woollen cloth, yarn or other textile products :

Provided that these rules shall not apply to such of the aforesaid companies as falling under the category of small scale industrial undertakings.

Explanation.—For the purpose of this rule, the expression "small scale industrial undertaking" means a company—

(a) the aggregate value of the machinery and plant installed wherein does not exceed sixty lakh rupees as on the last day of the preceding financial year, and for this purpose the value of any machinery or plant shall be,—

(i) in the case of any machinery or plant owned by the company, the cost thereof to the Company; and

(ii) in the case of any machinery or plant held by the company on lease or by hire purchase, the cost thereof as in the case of owner of such machinery or plant; and

(b) the aggregate value of realisation made by the company from the sale or supply of all its products during the preceding financial year does not exceed ten crore rupees;

(iii) for rule 3, the following rule shall be substituted, namely:—

3. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "art silk cloth" means any fabric made wholly from art silk yarn as partly from art silk, yarn and partly from any other yarn provided such fabric contains not less than 60 per cent of art silk yarn;

(b) "cloth" has the same meaning as in sub-clause (4) of clause 3 of the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993;

(c) "cotton yarn or cotton cloth" has the same meaning as in sub-clause (6) of clause 3 of the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993;

(d) "man-made yarn" and "man-made fibre cloth" has the same meaning as in sub-clause (10) of clause 3 of the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993;

(e) "other textile products" has the same meaning as in sub-clause (14) of clause 3 of the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993;

(f) "processed yarn and processed cloth" means any yarn and/or cloth as defined in sub-clauses (b) and (i) of this rule which has undergone one or more of the processes such as bleaching, dyeing, printing, mercerising, finishing and the like. This also includes the cloth processed by "Processor" as defined in sub-clause (19) of clause 3 of the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993;

(g) "silk yarn or silk cloth" has the same meaning as in sub-clause (21) of clause 3 of the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993;

(h) "Wool" has the same meaning as in sub-clause (24) of clause 3 of the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993;

(i) "yarn" has the same meaning as in sub-clause (26) of clause 3 of the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993;

(j) "yarn" has the same meaning as in sub-clause (27) of clause 3 of the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993."

3. In Schedule I annexed to said rules,—

(a) for the heading "(see rule 3)", the heading "(see rule 4)" shall be substituted;

(b) for the words "cotton textiles" wherever they occur, the word "textiles" shall be substituted.

4. In Schedule II annexed to the said rules, for the heading "(see rule 3)", the heading "(see rule 4)" shall be substituted.

[F. No. 52/36/CAB-92]

R. D. JOSHI, Lt. Secy.

NOTE :

Principal rules were published vide Notification No. G.S.R. 417(E) dated 28th June, 1977.

(2) Subsequently amended by :

(i) G.S.R. 1277 dated 10-10-1979

(ii) G.S.R. 40 dated 08-01-1983

(iii) G.S.R. 1206 dated 22-11-1984

(iv) G.S.R. 562 dated 22-07-1989

(v) G.S.R. 322(E) dated 24-03-1993.

